ST. MONTFORT SCHOOL, BHOPAL

Report on Seminar: “Happy Classroom”
Venue: St. Montfort School, Bhopal
Date: 10.06.2025

On 10th June 2025, a seminar was organized at St. Montfort School, Bhopal for the teaching faculty on the CBSE-oriented topic – “Happy Classroom.” The session was conducted by two eminent educationists, Mr. Rajesh Sharma (Principal, The IVY Global School) and Dr. Asha Changlani (Vice Principal, Kamla Nehru Higher Secondary School).

The program began with a solemn prayer, seeking blessings for a meaningful session, followed by a prayer song that set a peaceful and reflective tone for the day. This was followed by the welcoming of the esteemed guests, who were warmly received by the school management and staff.

The resource persons then took charge of the session and led an engaging and insightful seminar focused on creating joyful, emotionally supportive, and inclusive classroom environments. They highlighted the importance of positive teacher-student relationships, emotional well-being, and practical strategies to foster happiness and motivation among learners.

The seminar proved to be highly interactive and enriching. It offered valuable perspectives on how to make classrooms more engaging and student-friendly, in alignment with CBSE’s vision for holistic education.

Overall, the session was a refreshing experience for all participants and served as a strong reminder of the role teachers play in not just educating minds, but also nurturing hearts.

<u>सेंट मॉन्टफोर्ट स्कूल, भोपाल</u>

सेमिनार रिपोर्ट: "हैप्पी क्लासरूम"
स्थान: सेंट मॉन्टफोर्ट स्कूल, भोपाल
तिथि: 10.06.2025

दिनांक 10 जून 2025 को सेंट मॉन्टफोर्ट स्कूल, भोपाल में शिक्षकों के लिए **CBSE द्वारा निर्धारित विषय – "हैप्पी क्लासरूम"** पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सत्र दो प्रतिष्ठित शिक्षाविदों – **श्री राजेश शर्मा** (प्राचार्य, द आईवी ग्लोबल स्कूल) और **डॉ. आशा चांगलानी** (उप-प्राचार्या, कमला नेहरू हायर सेकेंडरी स्कूल) द्वारा संचालित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक **प्रार्थना** से हुई, जिसमें सत्र की सफलता हेतु आशीर्वाद की कामना की गई। इसके बाद एक **प्रार्थना गीत** प्रस्तुत किया गया, जिसने पूरे माहौल को शांति और चिंतनशीलता से भर दिया। तत्पश्चात, **आगंतुक अतिथियों का स्वागत** विद्यालय प्रबंधन और स्टाफ द्वारा हर्षपूर्वक किया गया।

इसके पश्चात **संसाधन व्यक्ति** (Resource Persons) ने सेमिनार की बागडोर संभाली और एक प्रेरणादायक व विचारोत्तेजक सत्र का संचालन किया। उन्होंने कक्षा को आनंदमय, भावनात्मक रूप से सहयोगात्मक एवं समावेशी बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही, शिक्षक-छात्र संबंधों की सकारात्मकता, भावनात्मक भलाई, तथा विद्यार्थियों में उत्साह और प्रेरणा बढ़ाने हेतु व्यावहारिक रणनीतियाँ साझा कीं।

यह सेमिनार अत्यंत **इंटरऐक्टिव और समृद्ध अनुभव** रहा। शिक्षकों को ऐसे दृष्टिकोण प्रदान किए गए जो कक्षा को अधिक आकर्षक और विद्यार्थियों के लिए अनुकूल बना सकते हैं, जो CBSE की समग्र शिक्षा की दृष्टि के अनुरूप है।

कुल मिलाकर, यह सत्र सभी प्रतिभागियों के लिए एक **ताजगीपूर्ण और प्रेरणादायक अनुभव** रहा, जिसने यह स्मरण कराया कि शिक्षक केवल मस्तिष्क को ही नहीं, बल्कि हृदय को भी आकार देते हैं।